

नस्य मन्त्रना प्र यावा शोचिः पृथिवी श्रोचयत् RV. 1,143,2. 6,17,6. (दे-  
वाः) तव क्रतुभिर्मृतमोषन् 7,4,1,53,8. क्रवा कृपिर्मृता अतारित्  
7,4,5. ते अमुयं वसन्तो न्युपवन्क्रतुं हि ते नृषत् 8,6,11,4. धारः सन्क्र-  
त्वा अनिष्टा अयाञ्छः 28,2. ते अपि क्रतुर्मम 31,5. (वावधे) अमि क्रवा न-  
र्यः पौस्यैश्च 10,29,7. 36,10. वीरेण्यः क्रतुरिन्द्रः सुशस्तिः 104,10. — 4)  
Ueberlegung, Rath; Einsicht, Verstand NAIGH. 3,9. AIT. UP. 3,2. कृत्सु  
क्रतुं वरुणः (अदधात्) RV. 5,85,2. कृस्ते वञ्चं भरति शीर्षणि क्रतुम् 2,16,  
2. इन्द्र क्रतुं न आ भर पिता पुत्रेभ्यो यथा 7,32,26. 9,97,30. 1,68,9 (5).  
क्रतुं पुनानः कृविभिः पृवित्रैः 3,1,5. 8,12,11. 13,1. (तम्) अमि क्रवा पुन-  
ती धीतिरश्याः 4,5,7. अमि क्रवा मनसा दीध्यानाः 33,9,7,90,5. क्रवा  
कृतः मुक्तः कर्तुर्भिर्भूत् 62,1. आप्रा क्रतुसमैर्गर्धरे मतीः 9,72,5. सख्ययः  
क्रतुमिच्छत कथा राधाम शरस्य। उपस्तुतिम् 8,59,13. उत स्वेन क्रतुना  
सं वदेत् श्रेयंसं दत्तं मनसा जगृभ्यात् 10,31,2. क्रवा निपाति वृजनानि वि-  
द्या 1,73,2. 3,9,6. 9,71,9. VS. 18,1. 19,40. यावत्क्रतुरयमस्माद्धोकात्प्रे-  
त्येवक्रतुर्हामुं लोकं प्रेत्य संभवति ÇAT. BR. 10,6,3,1 (vgl. KĀND. UP. 3,  
14,1). Häufig ist die Zusammenstellung भद्रः क्रतुः richtige Einsicht, gu-  
tes Verstandnis und die Verbindung mit दत्तः क्रतेर्भद्रस्य दत्तस्य साधोः  
RV. 4,10,2. 1,89,1. 123,13. 10,30,12. इमां धियं शिन्तमानस्य देव क्रतुं  
दत्तं वरुण सं शिशाधि 8,42,3. सुदत्तो दत्तैः क्रतुनामि मुक्तुः 10,91,3. 1,  
91,2. 111,2. 9,4,3. क्रवे दत्तय कृषयत पीताः 4,37,2. क्रवा दत्तस्य 9,16,2.  
5,1,2. 3,2,3. VS. 33,72. 38,28. दत्तक्रतु TS. 2,5,2,4. क्रतुदत्तो VS. 7,27.  
ÇAT. BR. 4,1,4,1. 14,3,1,31. — 5) Erleuchtung, Begeisterung: क्रतुं विदत्तं  
गातुमर्चते RV. 1,131,2. प्र ते सुतासो मधुमत्तो अस्थिरन्मदाय क्रवे अस्थि-  
रन् 135,1. प्र हि क्रतुं वृक्षेयं वंनुयः 2,30,6. इमे यज्ञं वमस्माकमिन्द्र पु-  
रो दधत्सनिष्यसि क्रतुं नः 4,20,3. 5,31,11. क्रवा नो मन्यो सह मेवेधि  
महाधनस्य संमर्ति 10,84,6. शिशानो अग्निः क्रतुभिः समिद्धः 10,87,1. दे-  
वमादनः क्रतुरिन्द्रविचक्षताः 9,107,3. — 6) Opferhandlung AK. 2,7,13.  
3,4,28,116. H. 820. MED. t. 8. Diese noch in den BĀHMANA selten auf-  
tretende Bed. (s. übrigens पञ्चक्रतु) schliesst sich an die vorangehende  
oder an 2. an. अर्धयुक्रतुः P. 2,4,4. क्रतुयज्ञेभ्यः 4,3,68 (Sch.: क्रतुः सो-  
मसाध्या यागः; vgl. Ind. St. 2,97, N.). Z. d. d. m. G. 9, LXXII. ÇAT. BR.  
11,5,5,10. त्रीनु क्रतूनन्वाकाप्रेयमुषस्यमाश्रितम् (Skt.: सोमयागसंबन्धिनः  
प्रातरनुवाकभागान्) AIT. BR. 2,18. ĀCV. ÇA. 4,13,14. न स्त्रियमुपेपुरा क्र-  
तोर्पवगीत् GRHJ. 1,24. KĀTJ. ÇA. 7,2,7. 25,12,5. क्रतुदक्षिणा ÇĀKĀ. ÇA.  
13,6,6. इन्द्रासि यज्ञाः क्रतवो व्रतानि ÇVETĀCV. UP. 4,9. क्रतुसंख्या PRA-  
VARĀDHJ. in Verz. d. B. H. 54. क्रतुसंग्रह्यारिषिष्ट Ind. St. 1,39. यज्ञत रा-  
ज्ञा क्रतुभिर्विविधैरातदक्षिणैः M. 7,79. वैश्यः) क्रीनक्रतुः 11,12. अश्वमेधेन  
— अन्त्येष्ट्यं बहुभिः — क्रतुभिश्चातदक्षिणैः N. 5,43. 12,9,32. VIÇV. 8,4,8.  
PAÑKĀT. 1,323. RAGH. 3,38,65. क्रतुर्यत्र TRIK. 3,3,318. देवानामिदमामनन्ति  
मुनयः कातं क्रतुं चातुषम् (sc. नायम्) MĀLAV. 4. — 7) Kratu, die perso-  
nif. Einsicht, ein Sohn Brahman's, einer der Praçāpati und der sie-  
ben Weisen (s. u. ऋषि 1,c) H. 124, Sch. MED. t. 8. M. 1,35. MBu. 1,  
2518. 2568. HARIV. 41.413.11519.14149. R. 3,20,8. VP. 49,54. Gemahl  
der Krişā und Vater der Vālikhilja Būg. P. 4,1,39. Gemahl der Ha-  
jaçirā 6,6,33. Vgl. PRAVARĀDHJ. in Verz. d. B. H. 59,48. — Kratu  
unter den Viçve Devāḥ (vgl. das 1ste Beispiel unter 1.) ĠĀḌU. im  
ÇKDr. — Sohn Ūru's und der Āgnej! HARIV. 73. VP. 98. — Wohl  
von 2. क्र. Vgl. अक्रतु. अदृत्, अदुत्, अमि, अमित, अवर्ष, अवि-

H. Theil.

कृत्यं, आकृत्यपञ्च, इन्द्र, इह, इह, कवि, महा, पञ्च, वरेण्य,  
शत, स, संभूत, सु, मुक्तूया, कृषक्रतु.

क्रतुकर्मन् (क्रतु + क) n. Opferhandlung AK. 2,7,27.

क्रतुच्छ्र m. 1) a Jina (जिन). — 2) one skilled (!) in sacrifice Wils.  
— In der ersten Bed. falsche Lesart für क्रतुच्छ्र; vgl. zu H. 236.

क्रतुजित् (क्रतु + जित्) m. N. pr. eines Mannes KĀTJ. in Ind. St. 3. 173.  
fg. — Vgl. क्रतुविद्.

क्रतुदुह् (क्रतु + दुह्) m. ein Feind der Opfer, ein Asura ÇĀTJ. in  
im ÇKDr.

क्रतुदिष् (क्रतु + दिष्) m. dass. TRIK. 1,1,7.

क्रतुधंसिन् (क्रतु + धं) m. ein Bein. ÇIVA's AK. 1,1,1,29.

क्रतुपति (क्रतु + पति) m. der Veranstalter eines Opfers Būg. P. 4,  
19,29.

क्रतुपशु (क्रतु + पशु) m. Opferthier ÇĀKĀ. ÇA. 15,1,20. Pford Hā. 52.

क्रतुया (क्रतु + या) adj. die Gesinnung oder die Absichten bewachend:  
श्रुतसर्दसि श्रोत्रयाभ्यां वा क्रतुयाभ्यामस्य यज्ञस्य ध्रुवस्याध्यन्ताभ्यां गृह्णामि  
TS. 3,3,10,1.

क्रतुपुरुष (क्रतु + पु) m. ein Bein. Vişṇu's TRIK. 1,1,28.

क्रतुप्रा (क्रतु + प्रा von पर) adj. in Begeisterung gerathen: मृक्षक-  
म्यवतः क्रतुप्रा दीधिकावणाः RV. 4,39,2. 10,100,12.

क्रतुप्रावन् (क्रतु + प्रावन्) adj. dass.: जज्ञिता RV. 10,100,11.

क्रतुभुज् (क्रतु + भुज्) m. Verzehrer der Opfer, eine Gottheit H. 88.

क्रतुमत् (von क्रतु) 1) adj. a) einsichtig, klug, weise: युमो अमि क्रतु-  
मो इन्द्र धीरः RV. 4,62,12. die AÇvin 183,2. स्यात्तरेव क्रतुमता रवस्य  
10,39,1. अति यदयो अर्हद्भ्युमद्भिर्भाति क्रतुमज्जनेषु 2,23,15. राज्ञा 9,90,6.  
— b) begeistert: स्तोम RV. 4,41,1. पीवा सोमस्य क्रतुमो अवर्धत 10,113,  
1. — 2) m. N. pr. eines Sohnes des Viçvāmītra Būg. P. 9,16,36.

क्रतुमय (wie eben) adj. consilio praeditus ÇAT. BR. 10,6,3,1. KĀND.  
UP. 3,14,1.

क्रतुराज् (क्रतु + राज्) m. der König der Opfer, das vornehmste Opfer:  
यथाश्वमेधः क्रतुराद्वर्षायापानोदनः M. 11,260.

क्रतुराज (क्रतु + राज) m. der König der Opfer, das Rāgasūja-Opfer  
ÇĀDDAR. im ÇKDr.

क्रतुविक्रिप् (क्रतु + वि) adj. der den Lohn, den er für ein voll-  
brachtes Opfer erwartet, einem Andern verkauft M. 4,214.

क्रतुर्विद् क्रतु + विद् adj. 1) verständig, weise: दंपतीव क्रतुविदा  
जनेषु RV. 2,39,2. होता क्रतुविद्विज्ञान् 10,2,5. — b) begeisternd: इन्द्र  
क्रतुर्विदं सुतं सोमं कृत्य RV. 3,40,2. स नो अयं वसुतये क्रतुविद्वीतुवित्तमः  
9,44,6. 63,24. 86,48. 108,1. — 2) m. N. pr. eines Mannes (vgl. क्रतु-  
जित्) AIT. BR. 7,34.

क्रतुस्यला f.: पुञ्जिक्स्थला च क्रतुस्यला चाप्सरसौ VS. 15,15. wofür  
TS. कृतस्यला liest, welches einen passenden Sinn giebt. Bei der Lesart  
der VS. müsste wohl Opfergrund verstanden werden, was gegen den  
vedischen Gebrauch von क्रतु ist und kein richtiges Correlat zu पुञ्जि-  
कस्थला abgiebt. VP. 233 erscheint gleichfalls die Form क्रतुस्यला, wäh-  
rend MBu. und Vāpi eine Apsaras ऋतुस्यला erwähnen.

क्रतुस्यप् (क्रतु + स्यप्) adj. Verstandnis oder Begeisterung anregend:  
कृदिस्पर्द्धाक्रतुस्यवर्चोधा वर्चो अस्मासु धेदि ĀCV. ÇA. 5,19.